



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 103]

नई दिल्ली, मंगलवार, मार्च 3, 1987/फाल्गुन 12, 1908

No. 103]

NEW DELHI, TUESDAY, MARCH 3, 1987/PHALGUNA 12, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ सख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

जल-मूलत परिवहन मंत्रालय

अनुसूची

(पत्तन पत्र)

मुरगांव पत्तन कर्मचारी (सेवानिवृत्त एवं अवकाशप्राप्ति की आयु)
(प्रथम संशोधन) विनियम, 1987

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 मार्च, 1987

सा का नि 271(अ) —केन्द्रीय सरकार, महापत्तन न्याय अधिनियम 1963 (1963 का 38) की धारा 132 की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 124 के उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा मुरगांव पत्तन के लिए न्यायियों के मजल द्वारा निर्मित और इस अधिसूचना के साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित मुरगांव पत्तन कर्मचारी (सेवा निवृत्त एवं अवकाश प्राप्ति की आयु) (प्रथम संशोधन) विनियम, 1987 को अनुमोदन प्रदान करता है।

2 ये विनियम इनके राजकीय राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से प्रवृत्त होंगे।

[फा स पा आर-12018/6/86-मि ई-1]
पी एम अग्रहूम, अपर सचिव

प्रमुख पत्तन स्थित अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 124 (1) और (2) के साथ पठित धारा 28 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मुरगांव पत्तन न्याय की शक्ति संज्ञक इसके द्वारा मुरगांव पत्तन कर्मचारी सेवा निवृत्त एवं अवकाश प्राप्ति की आयु) विनियम, 1974 को पुन संशोधित करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है, यथा --

- (1) ये विनियम, मुरगांव पत्तन कर्मचारी (सेवा निवृत्त एवं अवकाश प्राप्ति की आयु) (प्रथम संशोधन) विनियम, 1987 कहें जाएंगे।
- मुरगांव पत्तन कर्मचारी (सेवा निवृत्त एवं अवकाश प्राप्ति की आयु) विनियम, 1974, जिसे इसके बाद कथित विनियम कहा गया है, के विनियम-10 में

(1) विनियम-10 के वर्तमान प्रथम पैरा के स्थान पर निम्नलिखित को रखा जाए

"10. बीस वर्ष की सेवा के बाद स्वीच्छक सेवा निवृत्ति योजना के अंतर्गत पेंशन नियमों के अंतर्गत आने वाले मंजूर का कोई कर्मचारी कम से कम तीन महीने पहले उपयुक्त अधिकारी को लिखित सूचना देकर 20 वर्ष की अर्हक सेवा के बाद आनुपातिक पेंशन और ग्रेजुटी पर, तथा वे कर्मचारी जो विशेष परिस्थितियों में लागू अर्हक सेवा/सेवा के 5 वर्ष तक की छुट के साथ अंशदायी भविष्य निधि के अंतर्गत आते हैं, 20 वर्ष की सेवा के बाद भविष्य निधि के लिए आनुपातिक विशेष अंशदान पर नौकरों से सेवानिवृत्त हो सकते हैं।"

(2) विनियम-10(1) में उल्लिखित "20 वर्ष की अर्हक सेवा" शब्दों के बाद अधोलिखित को जोड़ा जाए— "अथवा अंशदायी भविष्य निधि के अंतर्गत आने वालों के मामले में सेवा, जो भी हो।"

(3) विनियम-10(2) में उल्लिखित "सेवानिवृत्ति पेंशन" शब्दों के बाद "भविष्य निधि के लिए आनुपातिक विशेष अंशदान" शब्दों को जोड़ा जाए।

(4) विनियम-10(5) के अंतर्गत उल्लिखित "पेंशन के लिए अर्हक सेवा" शब्दों के बाद अधोलिखित को जोड़ा जाए—

"अथवा भविष्य निधि के लिए विशेष अंशदान के उद्देश्य से 20 वर्ष की सेवा, जो भी हो।"

(5) विनियम-10(7) की द्वितीय पंक्ति में उल्लिखित "20 वर्ष की अर्हक सेवा" शब्दों के बाद अधोलिखित को जोड़ा जाए—

"अथवा अंशदायी भविष्य निधि के अंतर्गत आने वाले के मामले में सेवा, जो भी हो।"

(6) वर्तमान विनियम-10(8) के स्थान पर अधोलिखित को रखा जाए—

"इस योजना के अंतर्गत स्वेच्छा से सेवानिवृत्त होने वाले किसी कर्मचारी को आनुपातिक पेंशन अथवा भविष्य निधि के लिए विशेष अंशदान की मंजूरी देने समय, पेंशन योजना के अंतर्गत आने वाले अथवा अंशदायी भविष्य निधि के अंतर्गत आने वालों के मामलों में, जो भी हो, अर्हक सेवा अथवा उसके द्वारा प्रदत्त की गई वास्तविक सेवा के लिए वृद्धि के रूप में पांच वर्षों तक का छुट दी जाएगी। फिर भी, पांच वर्षों तक का छुट की स्वीकृति निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगी :—

(क) छुट की अनुमति देने के बाद, संपूर्ण सेवा अथवा सेवा, जो भी हो, किरा भी हालत में 30 वर्षों की अर्हक सेवा अथवा सेवा, जो भी हो, से अधिक नहीं होनी चाहिए, तथा;

(ख) छुट देने के बाद, संपूर्ण अर्हक सेवा अथवा सेवा, जो भी हो, उसके द्वारा की जानेवाली उस अर्हक सेवा अथवा सेवा से अधिक नहीं होनी चाहिए, यदि वह, उपरोक्त विनियम-6 में निर्धारित, स्वेच्छक सेवानिवृत्ति के लिए लागू कम से कम उम्र अथवा कम से कम सेवा की सीमा के अनुसार स्वेच्छा से सेवानिवृत्त होता।

(7) विनियम-10 के निर्वेशन (क), (ख) और (ग) की प्रथम पंक्तियों में उल्लिखित "पेंशन में छुट" शब्दों के बाद "भविष्य निधि के लिए विशेष अंशदान" शब्दों को जोड़ा जाए।

(8) वर्तमान विनियम-10(9) के स्थान पर अधोलिखित को रखा जाए :—

"पेंशन एवं ग्रेजुटी अथवा भविष्य निधि के लिए विशेष अंशदान के उद्देश्य से इस योजना के अंतर्गत दी गई छुट अर्हक सेवा अथवा सेवा, जो भी हो, के लिए केवल वृद्धि के रूप में होगी, भविष्य निधि में मंजूर के अंशदान के लिए नहीं। इसके द्वारा स्वीच्छक रूप से सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारी, पेंशन एवं ग्रेजुटी की गणना अथवा भविष्य निधि के लिए विशेष अंशदान के उद्देश्य से, किन्तु ऐसे सिद्धांतों के लिए जानेवाले वेतन का हकदार नहीं होगा; जो कि सेवानिवृत्ति की

तारीख के संबंध में गणना की जानेवाली वास्तविक परिलब्धियों पर आधारित हो।

(9) विनियम-10 (10) के अंतर्गत उल्लिखित "इन विनियमों के" शब्दों के बाद अधोलिखित को जोड़ा जाए :—

"भविष्य निधि के लिए विशेष अंशदान की मंजूरी प्राप्त करने वाले कर्मचारी (अंशदायी भविष्य निधि, विशेष अंशदान) विनियम, 1966 के विनियम-4 एवं 5 का अन्य शर्तों के अधीन होगा।"

टिप्पणी :

मूल विनियमों और इनके परवर्ती संशोधन को सरकार का संस्वीकृति तथा इनके राजपत्र में प्रकाशन का पदार्थ

(1) मूल विनियम : केन्द्र सरकार की संस्वीकृति सं. पी.ई.जी. (35)/74 दिनांक 4-1-75, गोवा, दमन व दीव सरकार के सरकारी राजपत्र, अनुक्रम III स. 44 दिनांक 30-1-75 में प्रकाशित।

2 परवर्ती संशोधन

1. केन्द्र सरकार की संस्वीकृति सं. पी.ई.जी. (8)/75, दिनांक 2-4-75/गोवा, दमन व दीव सरकार के सरकारी राजपत्र अनुक्रम III, सं. 4, दिनांक 25-4-75 में प्रकाशित।

2. केन्द्र सरकार की संस्वीकृति सं. पी.ई.जी. (42)/75 दिनांक 24-12-75/गोवा, दमन व दीव सरकार के सरकारी राजपत्र, अनुक्रम III सं. 45 दिनांक 5-2-76 में प्रकाशित।

3. केन्द्र सरकार की संस्वीकृति सं. पी.ई.जी. (15)/78 दिनांक अप्रैल, 1978/गोवा, दमन व दीव सरकार के सरकारी राजपत्र, अनुक्रम III, सं. 7 दिनांक 18-5-78 में प्रकाशित।

4. केन्द्र सरकार की संस्वीकृति सं. पी.ई.जी. (11)/78 दिनांक 23-5-78/गोवा, दमन व दीव सरकार के सरकारी राजपत्र अनुक्रम III, सं. 12, दिनांक 22-6-78 को प्रकाशित।

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd March, 1987

G.S.R. 271(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 read with sub-section (1) of section 132, of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Mormugao Port Employees (Superannuation and Age of Retirement) (First Amendment) Regulations, 1987 made by the Board of Trustees for the Port of Mormugao and set out in the Schedule annexed to this notification.

2. The said regulations shall come into force on the date of publication of this notification in the Official Gazette.

[F. No. PR-12018/6/86-PE.1]
P. M. ABRAHAM, Addl. Secy.

SCHEDULE

The Mormugao Port Employees (Superannuations and Age of Retirement (First Amendment) Regulations, 1987.

In exercise of powers conferred by Section 28 read with section 124(1) and (2) of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Board of Trustees of the Mormugao Port Trust, hereby makes the following regulations further to amend the Mormugao Port Employees, (Superannuation and Age of Retirement) Regulations, 1974 namely :

1. (i) These regulations may be called the Mormugao Port Employees (Superannuation and Age of Retirement (First Amendment) Regulations, 1987.

2. In Regulation 10 of Mormugao Port Employees' (Superannuation and Age of Retirement) Regulations 1974 hereinafter referred to as said Regulation :

(1) Substitute the following for the existing first para of regulation 10.

"10. Scheme of Voluntary Retirement after 20 years service.

"Any employee of the Board may; after giving notice of not less than three months in writing to the appropriate authority, retire from service after 20 years of qualifying service on proportionate pension and gratuity in the case of those governed by Port's Pension Rules and after 20 years of service on proportionate special contribution to Provident Fund in the case of those governed by Contributory Provident Fund with a weightage of upto 5 years towards qualifying service|service where applicable subject to certain conditions."

(2) Insert the following after the words "20 years qualifying service" appearing in Reg. 10(i) "or service in the case of those governed by CPF as the case may be."

(4) Insert the words "proportionate Special Contribution to Provident Fund" after the words "retiring pension" appearing in Regulation 10(ii).

(4) Add the following after the words "service qualifying for pension" appearing at the end of Regulation 10(v) :

"or 20 years of service for purpose of special contribution to Provident Fund as the case may be."

(5) Add the following after the words "20 years qualifying service" appearing in second line of Regulation 10(vii) "or service in the case of those governed by Contributory Provident Fund as the case may be."

(6) Substitute the following for the existing Regulation 10(viii)

"while granting proportionate pension|special contribution to Provident Fund to an employee retiring voluntarily under this

scheme, weightage of upto five years in the case of those who are governed by Pension Scheme or service in the case of those governed by the Contributory Provident Fund as the case may be, would be given as an addition to the qualifying service|service actually rendered by him. The grant of weightage upto five years will, however, be subject to the following conditions :

(a) The total qualifying service or service as the case may be after allowing the weightage should not in any event, exceed 30 years qualifying service or service as the case may be and.

(b) The total qualifying service or service as the case may be after giving the weightage should not exceed the qualifying service|service which he would have had, if he had retired voluntarily at the lowest age|minimum service limit applicable to him for voluntary retirement prescribed under Regulation 6 above."

(7) Insert the words "Special Contribution of Provident Fund" after the words "weightage in pension" appearing in last time of Illustration (a), (b) and (c) of Reg. 10.

(8) Substitute the following for the existing Regulation 10 (ix) :

"The weightage given under this scheme will be only an addition to the qualifying service or service as the case may be, for purpose of pension and gratuity or special contribution to Provident Fund and not Board's Contribution to Provident Fund. It will not entitle the employee retiring voluntarily to any notional fixation of pay for purpose of calculating the pension and gratuity or special contribution to Provident Fund which will be based on the actual emoluments calculated with reference to the date of retirement."

(9) Add the following after the words "of these regulations" appearing at the end of Regulation 10(x) :

"The grant of special contribution to Provident Fund will also be subject to the other conditions in Regulations 4 and 5 of the Mormugao Port Employees' (Contributory Provident Fund Special Contribution) Regulations, 1966."

N.B. Reference of Govt. sanction and gazette publication of Principal Regulation and subsequent amendments :

(1) Principal Regulations: Central Government sanction No. PEG(35)/75 dated 4-1-75. Published in the Official Gazette of Govt. of Goa, Daman & Diu, Series III no. 44 dated 30-1-75.

(2) Subsequent Amendments :

- (i) Central Government's sanction No. PEG-(8)/75 dated 2-4-75 published in the official gazette of Goa, Daman and Diu, Series III, No. 4 dated 25-4-75.
- (ii) Central Government's sanction No. PEG-(42)/75 dated 24-12-75. Published in the official gazette of Govt. of Goa, Daman & Diu, Series III, No. 45 dated 5-2-76.
- (iii) Central Govt's sanction No. PEG(15)/78 dated April 1978. Published in the official gazette of Govt. of Goa, Daman & Diu, Series III, No. 7 dated 18-5-78.
- (iv) Central Govt's sanction No. PEG(11)/78 dated 23-5-78. Published in the official Gazette of Govt. of Goa, Daman & Diu, Series III, No. 12 dated 22-6-78.